Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to set up district level monitoring Committees to look into the problems faced by students in Coaching Institutes- Laid.

श्री दिलीप शइकीया (मंगलदोई): पूरे देश में आईआईटी और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कोचिंग की संस्कृति बहुत तेजी से बढ़ रही है । ये कोचिंग संस्थाएं देश के छात्रों का भविष्य संवारने का दावा करती हैं तथा आई. आई. टी. और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में चयन कराने की गारंटी लेती है । जबकि देश में लाखों की संख्या में छात्र परीक्षा देते हैं और सीट मात्र हजारों में होती हैं । इन कोचिंग संस्थाओं की एक क्लास में 100 से अधिक छात्र होते हैं । यहाँ क्लासेस सप्ताह के सातों दिन चलती हैं । छात्रों पर परीक्षा में अच्छे मार्क्स और रैंक लाने का इतना दबाव बनाया जाता है कि बच्चे डिप्रेशन में चले जाते हैं । बच्चों पर पढ़ाई का अत्यधिक प्रेशर जानलेवा साबित हो रहा है । आज पूरे देश में जिला स्तरीय कोचिंग संस्थान निगरानी समिति का गठन करने की आवश्यकता है । इसमें अभिभावक, कोचिंग संस्थान, एनजीओ, मनोवैज्ञानिक और जिला कलक्टर शामिल होने चाहिए । इसमे मेरा दो महत्वपूर्ण सुझाव है-

1. इन संस्थाओं में पढ़ रहे छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में उर्तीण न होने पर उपलब्ध करिअर विकल्प के बारे में बताया जाए ।

2. बीच मे संस्थान छोड़ने की स्थिति मे ईजी एक्जिट पॉलिसी एवं फीस रिफण्ड का प्रावधान हो ।